This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

885

B.A. (Prog.)/II **D**

BUDDHIST STUDIES DISCIPLINE—Paper II

(Buddhist Thought and Teachings)

(Admissions of 2004 and onwards)

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answers may be written either in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *four* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. What is 'Four Noble Truth' in the basic teaching of Buddha ? Explain it in detail.

बुद्ध की मूलभूत शिक्षाओं में 'चार आर्य सत्य' क्या हैं ? इसका विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. What is **Paramita**. Explain *ten* **Paramitas** according to Pali Literature.

पारमिता क्या है ? पालि साहित्य में वर्णित **दस** पारमिताओं का वर्णन कीजिए।

3. Write down the Theory of 'Karma and Rebirth'.

'कर्म एवं पुनर्जन्म' के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

4. What is the *three* characteristics of the world i.e. 'Trilaksana'.

'त्रिलक्षण' का सिद्धांत क्या है ? विश्व के मूलभूत सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

5. Present the explanation of the Philosopohy of Madhyamika School (Sunyavada).

माध्यमिक सम्प्रदाय (शून्यवाद) के दार्शनिक तत्वों की व्याख्या कीजिए।

Or

(अथवा)

Write an essay on the Sthavirvada School of Buddhism.

स्थविर बौद्ध सम्प्रदाय पर एक निबंध लिखिए।

6. Discuss briefly the theory of Dependent Origination of Buddhism.

बौद्धधर्म में वर्णित प्रतीत्यसमुत्पाद का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

7. Write in detail *either* on 'Sila' *or* on 'Samadhi'.

'सील' **अथवा** 'समाधि' पर विस्तार से लिखिए।

8. Write a short note on any *one* of the following :

(*a*) Nirvana

(*b*) Prajna

(*c*) Middle Path

(*d*) Brahmavihara

(*e*) Triratna.

निम्नलिखित में से किसी **एक** पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(क) निर्वाण

(ख) प्रज्ञा

(ग) मध्यम मार्ग

(घ) ब्रह्मविहार

(ङ) त्रिरत्न।